>

Title: Need to provide drinking water in drought affected Nawada and Sheikhpura districts of Bihar.

डॉ. भोला सिंह (नवादा): बिहार के नवादा, शेखपुरा जिला लंबे समय से सूखाग्रस्त जिले हैं जहां माँ, माटी, मानुÂा में मातमी सन्नाटा पसरा रहता है। इस बार अप्रत्याशित सुखाड़ ने पशु, पक्षी, मानव सभी को मौत का पैगाम दे रखा है।

यहां किसानों के पशु पेयजल, ताल-तलैया में पानी नहीं रहने के कारण सुखाड़ रोग के संक्रामकता का शिकार बड़े पैमाने पर हो रहे हैं। खेती उजाड़ और बंजर पड़ी हुई है। महिलाएं दो-तीन कि.मी. से पानी लाने के लिए विवश हो रही है। गर्मी और लू में वे दम तोड़ने लगती है।

इन दो जिलों में जमीन के नीचे पानी का तल नहीं है। तालाब, तलैया के सूख जाने के कारण चापाकल का पानी भी अब मयस्सर नहीं है। चिड़िया दिन में आर्तनाद करती रहती है। रात में शियार का रूदन अजीब भयानकता का एहसास कराता है।

बिहार सरकार इस प्राकृतिक विपदा का सामना अपने सीमित साधनों से करने का प्रयास कर रही है, पर वह नाकाफी है।

अतः केन्द्र सरकार एक टास्क फोर्स का गठन कर पेयजल के लिए चापाकल, ताल-तलैया की खुदाई एवं अन्य प्रकार के जलाशयों के निर्माण का कार्य युद्धस्तर पर करे।